RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 150
दि. 29.09.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग द्वारा बिहार चुनाव की तारीखों का कभी भी हो सकता है ऐलान

बिहार चुनाव 2025 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। सभी की नजरें अब सिर्फ एक सवाल पर टिक गई हैं- आखिर कब होगा चुनाव की तारीखों का ऐलान? जैसे-जैसे नवंबर करीब आ रहा है, सियासी हलचल भी तेज हो गई है। अब चुनाव आयोग (ECI) ने बिहार दौरे का ऐलान कर दिया है और माना जा रहा है कि इस दौरे के बाद चुनाव शेड्यूल कभी भी जारी हो सकता है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की उच्चस्तरीय टीम 4 और 5 अक्टूबर को पटना का दौरा करेगी।

छठ पर बिहार वासियों को पीएम मोदी देने जा रहे हैं बड़ा तोहफा! 'मन की बात' में किया ऐलान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 126वें एपिसोड में रविवार (28 सितंबर) को एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सूर्यदेव को समर्पित छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक परंपरा का भव्य और दिव्य उत्सव है, और उनकी सरकार इसे वठएरउड की सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल कराने के प्रयासों में जुटी है। पीएम मोदी का यह बयान चुनावी माहौल के बीच बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा करने वाला है।

छठ पर्व पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे त्योहार सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि ये भारत की जीवंत संस्कृति को भी आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने छठ पूजा को "ग्लोबल फेस्टिवल" बताते हुए कहा कि यह पर्व अब केवल बिहार या उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय प्रवासी इसे पूरे उत्साह से मनाते हैं। उन्होंने कहा, दीपावली के बाद आने वाला छठ पर्व खास है क्योंकि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

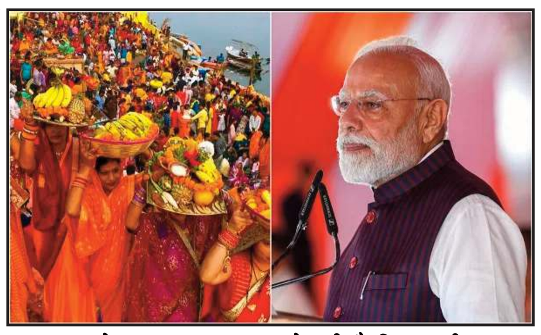

पीएम मोदी ने कहा, "सूर्यदेव को समर्पित छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक परंपरा का भव्य और दिव्य उत्सव है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारी सरकार इस महापर्व को UNESCO की सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल कराने के प्रयासों में जुटी है।"

अब सवाल यह है कि अगर छठ पर्व को UNESCO की सूची में शामिल करने की बात हो रही है, तो इसका मतलब क्या है? UNESCO संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है, जो दुनिया भर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों को संरक्षित करने का काम करती है। जब किसी परंपरा, उत्सव या धरोहर को वठएरउड की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाता है, तो उसका महत्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ जाता है।

इस सूची में शामिल होने के लिए देश की सरकार को पहले प्रस्ताव भेजना पड़ता है। उसके बाद विशेषज्ञों की कमेटी उस परंपरा के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करती है।

बलरामपुर को सीएम योगी ने दी करोड़ों की सौगात, मां पटेश्वरी का किया दर्शन पूजन

बलरामपुर (जीएनएस)। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री रविवार सुबह मां पाटेश्वरी देवी के दर्शन-पूजन व गोसेवा के उपरांत जनपदवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। जनपदवासियों को शिक्षा क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली। सीएम ने 17 फरवरी 2020 में राजकीय पॉलीटेक्निक घुघुलपुर, बलरामपुर के भवन का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। 2029 लाख रुपये खर्च कर यह कार्य पूरा हो चुका है। रविवार को इसका लोकार्पण किया गया । लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के आवासीय भवनों के लिए टाइप-4 के छह आवास, टाइप-3 के 12 आवास व टाइप-2 के 12 आवासों का लोकार्पण भी किया गया।

बलरामपुर के उतरौला तहसील में टाइप 3 के चार आवासीय भवन व राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बालापुर बलरामपुर में शिक्षक व शिक्षणेत्तर कार्मिकों के कुल 15 आवासों के निर्माण का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री बलरामपुर के घुघुलपुर में बस स्टेशन के निर्माण के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। साथ ही राजकीय नवीन हाईस्कूल लौकीखुर्द, त्रिलोकपुर, रेहरा चौकी का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री थारू विकास परियोजना विशुनपुर विश्राम परिसर में कंप्यूटर व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास किया।।

'आतंकवाद का होता है महिमामंडन', यूएनजीए में जयशंकर ने दिया कड़ा संदेश, पाकिस्तान को बताया 'आतंकी अड्डा'

(जीएनएस)।

न्यूयॉर्क में चल रही संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का भाषण पूरे सत्र में सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। अपने 16 मिनट के संबोधन में उन्होंने वैश्विक मुद्दों पर भारत का रुख साफ किया और पाकिस्तान पर परोक्ष हमला किया। उन्होंने कहा कि दशकों से आतंकवाद की जड़ें एक ही देश से जुड़ी हैं।

जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद को केवल अपने लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा मानता है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ गहरे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। उनके इस बयान पर सभा में जोरदार तालियां बजीं।

'आतंकवाद साझा खतरा है'

जयशंकर ने कहा कि भारत ने हमेशा अपने लोगों की रक्षा के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा की, बल्कि हमले के आयोजकों और अपराधियों को न्याय के कटघरे तक भी पहुंचाया।

पाकिस्तान पर परोक्ष हमला

विदेश मंत्री ने कहा, "दशकों से भारत को ऐसे पड़ोसी के साथ जीना पड़ा है, जो आतंकवाद का मुख्य अड्डा है। संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी सूची में उस देश के कई नागरिक शामिल हैं।" इस दौरान उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं, वे खुद इसके परिणाम भुगतते हैं।

आतंकवाद को राज्य नीति बताने वालों पर सख्त रुख

जयशंकर ने कहा कि जब कोई देश खुले तौर पर आतंकवाद को राज्य नीति बनाता है और आतंकियों की फैक्ट्री चलाता है, तो ऐसी हरकतों की कड़ी निंदा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंक के लिए फंडिंग रोकना जरूरी है और आतंकवाद के पूरे तंत्र पर लगातार दबाव बनाए रखना होगा।

आत्मनिर्भरता और वैश्विक व्यापार पर चिंता

विदेश मंत्री ने भारत की तीन बुनियादी सोच - आत्मनिर्भरता, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास - पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार में गैर-बाजार नीतियों और ऊंचे टैरिफ से अस्थिरता पैदा हुई है। यह संकेत अमेरिका की ट्रंप सरकार द्वारा लगाए गए आयात शुल्क की ओर था।

युद्ध और शांति पर भारत का संदेश

यूक्रेन और गाजा संघर्ष पर बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि इनके प्रभाव उन देशों पर भी पड़े हैं, जो सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं। भारत ने अपील की कि युद्ध को खत्म करने और शांति बहाल करने के लिए सभी पक्षों से बात करने में सक्षम देश आगे आएं।

'अब बातचीत नहीं होती, मैंने उनको ब्लॉक कर दिया, तेजप्रताप ने क्यों किया अखिलेश यादव का नंबर ब्लॉक?

(जीएनएस)।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव लगातार सियासी और पारिवारिक मोर्चे पर अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। पार्टी से बाहर निकाले जाने और परिवार से दूरी बनने के बाद अब उनके करीबी माने जाने वाले यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी उनसे कन्नी काट ली है।

तेजप्रताप ने दावा किया कि पटना दौरे पर पहुंचे अखिलेश यादव को उन्होंने कॉल किया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। इससे नाराज होकर तेजप्रताप ने अखिलेश यादव का नंबर ही ब्लॉक कर दिया। यह घटनाक्रम उनके राजनीतिक भविष्य पर नए सवाल खड़े कर रहा है।

तेजप्रताप यादव का एक ऑडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से अपनी नाराजगी जाहिर करते नजर आ रहे हैं। ऑडियो में तेजप्रताप कहते हैं, 'आपने सपा का

बात किया है ना, अखिलेश जी से मेरी बहुत अच्छी बनती थी। जब वह अधिकार यात्रा के लिए पटना आए तो मेरा एक फोन तक नहीं उठाए। मैंने मैसेज भिजवाया, कॉल किया, यहां तक कि अपने आदमी को ताज होटल भेजा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। पहले उनसे लगातार बात होती थी, मगर उस दिन के बाद बिल्कुल बंद हो गई। अब मैंने उनका नंबर ब्लॉक कर दिया है।'

अपनी अलग पार्टी बना चुके हैं तेजप्रताप

राजद से बाहर निकाले जाने और परिवार से बढ़ती दूरी के बीच तेज प्रताप यादव ने अब अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत करने के लिए नई राह पकड़ ली है। उन्होंने हाल ही में अपनी पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' (JJD) की घोषणा की है। तेज प्रताप का कहना है कि अब वे किसी के भरोसे नहीं, बल्कि अपने दम पर राजनीति करेंगे। यही कारण है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वे खुद खखऊ के उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप पर भड़के अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा, क्यों कहा बूढ़े नेता हैं दुनिया की 80% समस्याओं के पीछे?

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने हाल ही में बुजुर्ग नेताओं और उनके सत्ता पर बने रहने पर टिप्पणी की है। लंदन में ब्रिटिश इतिहासकार डेविड ओलुसोगा से बातचीत के दौरान ओबामा ने कहा कि दुनिया की कई समस्याओं के पीछे वे नेता हैं जो उम्र बढ़ने के बावजूद सत्ता पर बने रहते हैं। उनकी यह टिप्पणी सीधे तौर पर 77 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप पर कटाक्ष के रूप में देखी जा रही है। ओबामा ने कहा कि ऐसे नेता अक्सर हार मानने को तैयार नहीं होते और हर चीज पर अपना नाम अंकित कराना पसंद करते हैं। ओबामा ने जोर देकर कहा कि बुजुर्ग नेताओं का सत्ता पर बने रहना वैश्विक समस्याओं का एक बड़ा कारण है।

पंचायती राज मंत्रालय 2 अक्टूबर को पूरे भारत में जन योजना अभियान शुरू करेगा

पंचायती राज मंत्रालय 2 अक्टूबर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पीपुल्स प्लान अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। यह पहल वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) की तैयारी शुरू करेगी। 2018 में अपनी शुरूआत से, अभियान ने विशेष ग्राम सभा बैठकों के माध्यम से पंचायतों को साक्ष्य-आधारित, अभिसरण और समावेशी योजनाएं बनाने में सहायता की है। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 से 18.13 लाख से अधिक पंचायत विकास योजनाएं अपलोड की गई हैं। इनमें ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (जीपीडीपी), ब्लॉक पंचायत विकास योजनाएं (बीपीडीपी) और जिला पंचायत विकास योजनाएं (डीपीडीपी) शामिल हैं।

भले ही खून की नदियां बहें', भारत-पाकिस्तान फाइनल मैच पर आगबबूला हुए संजय राउत

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 का फाइनल मैच होने वाला है, फाइनल मैच में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला होगा। एशिया कप की इस सीरीज में हुए इससे पहले हुए मैच महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के नेता और कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जमकर विरोध किया था। वहीं अब फाइनल मैच को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत आबबबूला हो गए हैं।

सांसद संजय राउत ने इस मैच पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने इसे "सबसे बड़ा मैच नहीं" बताया है। राउत ने कहा कि मौजूदा माहौल में भारत और पाकिस्तान के लिए मैच खेलना सबसे घटिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "जब आतंकवाद की बात आती है, तो भारत के नागरिक पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहते।"

संजय राउत ने 26/11 मुंबई हमलों का जिक्र करते हुए कहा, "जिस तरह से 26 महिलाओं की सिंदूर मिटाया गया, हमने उसके लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' किया।" राउत ने सवाल उठाया कि "इसके बावजूद, अगर हम उस देश के साथ क्रिकेट खेलते हैं, तो राष्ट्रवाद कहाँ गया?"

सांसद ने आगे कहा कि "पैसा यहाँ एक महत्वपूर्ण कारक है।" उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "भले ही खून की नदियाँ बहें, हम क्रिकेट खेलेंगे।" हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि "इस बार, लोग मैच को अपने टीवी पर भी देखना नहीं चाहते हैं।"

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा चैतन्यानंद सरस्वती

(जीएनएस)।

दिल्ली पुलिस ने कई दिनों की छापेमारी के बाद आखिरकार स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को गिरफ्तार कर लिया है। चैतन्यानंद पर एक मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की 17 छात्राओं के यौन शोषण का गंभीर आरोप है। गिरफ्तारी से पहले आरोपी बाबा कई दिनों तक फरार था और उसे पकड़ने के लिए पुलिस कई राज्यों में दबिश दे रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने चैतन्यानंद सरस्वती से जुड़े करीब ₹8 करोड़ की संपत्ति फ्रीज कर दी है। यह राशि 18 बैंक खातों और 28 फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में फैली हुई थी। जांचकर्ताओं के अनुसार, यह पैसा सरस्वती द्वारा बनाए गए एक ट्रस्ट का था, जिसे कथित तौर पर बड़े पैमाने पर दान और योगदान मिलता था।

यह भी सामने आया है कि सरस्वती कथित तौर पर खाता खोलते और ट्रांसफर करते समय अलग-अलग जानकारी जमा करके दो अलग-अलग नामों से एक बैंक खाता चला रहा था।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का सीधा प्रसारण देखा

गांधीनगर, 28 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद में चांदखेडा क्षेत्र से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का सीधा प्रसारण देखा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन-जन तक पहुँचने के लिए 3 अक्टूबर 2014 विजया दशमी के दिन से 'मन की बात' कार्यक्रम शुरू किया था। प्रधानमंत्री 'मन की बात' के माध्यम से नागरिकों के साथ संवाद भी साधते हैं। रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि 'मन की बात' एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें देश सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन में प्रेरणादायी कार्य करने वाले लोगों को

देश की बात - जन जन की बात

जानता है। प्रधानमंत्री ने हमेशा छोटे तथा सुदूरवर्ती मानव को मुख्य धारा में लाने की कटिबद्धता दर्शाई है। इसी कारण प्रत्येक सरकारी योजना को आम आदमी को केन्द्र में रखकर बनाया जाता है। श्री पटेल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री का यह संकल्प है कि सरकारी योजना के लाभ सेचुरेशन तक पहुँचें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज सरकार गाँव-गाँव तक पहुँच कर सरकारी योजना के देय लाभ नागरिकों को दे रही है। श्री पटेल ने कहा कि अनाज वितरण, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास जैसी अनेक योजनाओं के लाभ पात्रता रखने वाले लोगों को उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। आयुष्मान योजना आज गरीबों एवं सामान्य वर्ग की संजीवनी बनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा के रूप में जन आंदोलन शुरू किया है। 25 सितंबर से 25 दिसंबर यानी 90 दिनों तक चलने वाले इस जन आंदोलन में स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत के अभियान को वेगवान बनाकर लोगों को सक्रिय रूप से स्वदेशी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता अभियान, कैच द रेन, एक पेड़ माँ के नाम जैसे जन अभियानों का उल्लेख करते हुए उपस्थित सभी लोगों से स्वदेशी अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का अनुरोध किया।

सम्पादकीय

मौलाना तौकीर रजा पुलिस गिरफ्त

बरेली में शुव्रवार को हुई हिसा मामले में शनिवार को जिला प्राशासन ने जांच के बाद कार्रवाई करते हुए इत्तेहाद–ए–मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दरअसल शुव्रवार को मुस्लिम समुदाय के वुछ लोग 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर लेकर उतरे, देखते ही देखते यह विशेष प्रादर्शन हिसक टकराव में बदल गया। प्रादर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया जिसके बाद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा। लेकिन बरेली पुलिस को इस हिसा के बाद उपद्रवियों के बारे में पता लगाने के लिए काफी परिश्रम करना पड़ा।

सीसीटीवी वैमरे एवं स्थानीय खबरी के माध्यम से खुराफातियों की पहचान करके पुलिस ने शनिवार को बरेली के बवाल को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। तौकीर रजा सहित 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में कोर्ट में पेश किया गया तो कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत भेज दिया। बड़ा सवाल यह है कि देश में वे कौन ऐसे लोग हैं जो राज्य सत्ता को चुनौती देने के लिए धार्मिक उन्माद पैदा करने की साजिश के तहत आम जनता को भड़काते हैं! ऐसे लोग एक ही तरफ नहीं हैं वे दूसरे धर्मो में भी हैं। अपनी दुकान चमकाने के लिए बवाल कराते हैं और जब पुलिस कार्रवाई करती है तो खुद को कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए महंगे वकील करते हैं जबकि समर्थकों को उनके हाल पर ही छोड़ देते हैं। मान लीजिए तौकीर रजा के बहकावे में आकर जिन लोगों ने बरेली की सड़कों पर बवाल किया और पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, अब उनके परिवार का भरण– पोषण कौन करेगा? कौन देगा उन लोगों के बच्चों की फीस जिन्हें अदालत ने दंगा भड़काने के आरोप में जेल भेज दिया! मौलाना तौकीर रजा 2010 के दंगे के आरोपी हैं, उनके खिलाफ अदालत में मामला लंबित है। मौलाना तौकीर रजा की हकीकत यह है कि जब भी कोई धार्मिक मामला सामने आता है तो इन्हें अपनी दुकान चमकाने के लिए सुनहरे अवसर का एहसास होने लगता है और ये महाशय उपद्रव के लिए अपने समर्थकों को भड़काने में लग जाते हैं। काशी के ज्ञानवापी मामले में भी उन्होंने बरेली को जलाने की पूरी व्यवस्था कर ली थी। प्रादर्शन करने के लिए लोगों को भड़काया भी किन्तु पुलिस ने विशेष सतर्वता बरती और तौकीर रजा की साजिश सफल नहीं हो पाई।

सच तो यह है कि किसी भी धर्म के ठेकेदार हों, वे अपनी संतान को तो कभी भी लकीर का फकीर नहीं बनने देते। उनके बच्चे कान्वेण्ट में पढ़ते हैं और वुलीन शैली में जीवन व्यतीत करते हैं क्योंकि वे मजहबी तिकड़म में पंसते ही नहीं। धार्मिक उन्माद का असर तो उन लोगों पर पड़ता है जो किसी तरह अपनी जीविका की व्यवस्था करते हैं।

भारत में किसी भी राज्य सरकार की पुलिस या प्राशासन किसी को भी उसके धार्मिक मान्यताओं का अनुशरण करने से रोकती ही नहीं। इसलिए जो भी धर्मगुरू किसी भी नागरिक को बुद्धू बनाता है तो उसके खिलाफ समुचित शासकीय कार्रवाई आवश्यक है। स्टेट अथारिटी का एहसास कराने कोई एनजीओ नहीं आएगी बल्कि यह काम शासन को ही करना होगा। इसके लिए देश की जनता को ही जागरूक बनाने की जरूरत है।

पढ़ा–लिखा जिस भी समाज में होगा आंख मूंद कर किसी के भड़काने में आने वाला नहीं है। इसलिए धर्म के ठेकेदारों को लगता है कि कहीं उनकी मजहबी दुकान का दरवाजा हमेशा के लिए बंद न हो जाए। लब्बोलुआब यह है कि बरेली का बवाल दोबारा दोहराने से बचने के लिए सरकार को निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और दोष सिद्ध अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है।

आर्टिफीशियल इंटलीजेंस पर दिग्गज सीईओ का दावा, 'एआई हमारे 40 फीसदी काम कर देगा, नौकरियों के संकट का दौर आएगा'

(जीएनएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को लेकर दुनिया भर में बहस जारी है। हालांकि, तकनीकी के दिग्गजों से लेकर आम आदमी तक सबने यह स्वीकार कर लिया है कि एआई अब हमारी जिंदगी में रहेगा। ऐसे सवाल भी उठ रहे हैं कि यह तकनीक हमारी जिंदगी आसान बनाएगा या नौकरियों के लिए संकट खड़ा करेगा? अब इस पर ओपनएआई और चैटजीपीटी (Ope»»fAI ChÔtGPT) के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि एआई तकनीक इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि आने वाले समय में हमारे 40 फीसदी काम यही करेगा।

सैम ऑल्टमैन ने जर्मनी के अखबार डाइ वेल्ट को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि टेक्नोलॉजी की प्रगति के साथ 'सुपर इंटेलिजेंस' का दौर आ चुका है। यह इंसानों के किए जाने वाले लगभग 40% कामों की जगह ले सकता है। यानी आने वाले वर्षों में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इसका असर कुछ क्षेत्रों में नौकरी पर भी पड़ेगा।

आगे की तकनीक पर भी काम शुरू

ऑल्टमैन ने कहा कि आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (AGI) इस दशक के अंत तक हकीकत बन सकता है। उन्होंने यहां तक दावा किया कि GPT–5 पहले से ही मुझसे और बहुत से लोगों से ज्यादा स्मार्ट है। उनका अनुमान है कि 2030 तक हमारे पास ऐसे मॉडल होंगे जो इंसानों से कहीं ज्यादा असाधारण क्षमताएं दिखाएंगे और ऐसे काम कर सकेंगे जो हम खुद नहीं कर पाते।

इंटरव्यू के दौरान जब ऑल्टमैन से पूछा गया कि अककितनी नौकरियों को खत्म कर देगा, तो उन्होंने कहा, 'ये नौकरियों की संख्या से ज्यादा कामों की संख्या का मुद्दा है। मैं आसानी से एक ऐसी दुनिया की कल्पना कर सकता हूं, जहां आज के 30–40% काम अककर रहा होगा।'

इंसानों के साथ बनने लगेगा अक का रिश्ता

अकरिसर्चर एलीजर युडकोव्स्की की उस थ्योरी पर भी उनसे सवाल किया गया जिसमें कहा गया कि सुपरइंटेलिजेंस और इंसानों का रिश्ता वैसा होगा जैसा इंसानों और चींटियों के बीच होता है। इस पर ऑल्टमैन ने जवाब दिया कि उनका मानना है कि एजीआई (AGI) इंसानों के साथ एक प्यार करने वाले माता–पिता की तरह व्यवहार करेगा। ऑल्टमैन ने साफ कहा कि तकनीक हमेशा काम का स्वरूप बदलती रही है, और इस बार भी ऐसा होगा। फर्क सिर्फ इतना होगा कि बदलाव की रफ्तार बहुत तेज होगी। कई नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन साथ ही नए तरह के काम भी सामने आएंगे।

एक्टर थलापति विजय की जाति क्या हैं? तमिलनाडु चुनाव से पहले राजनीति में एंट्री क्यों हैं डीएमके के लिए खतरा

एएतमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) प्रमुख थलापति विजय के नेतृत्‍व में (27 सितंबर 2025) शनिवार को करूर में एक विशाल रैली आयोजित की गई, जिसमें हजारों की संख्‍या में लोग जुटे। ये रैली उस समय मातम में बदल गई जब अचानक भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 39 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए।

इस घटना के बाद तमिल एक्टर तमिलनाडु की डीएमके सरकार और अन्य विपक्षी पार्टियों के निशाने पर आ चुके हैं। सत्तारूढ़ स्टालिन के नेता एक्‍टर विजय पर लगातार हमले कर रहे हैं और उनके खिलाफ सख्‍त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जानिए आखिर थलपति विजय किसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिनकी इतनी बड़ी फैन फॉलोइंग है? साथ ही जानिए तमिलनाडु चुनाव से पहले राजनीति में एंट्री कर विजय सत्तारूढ़ डीएमके और अन्य प्रतिद्वंदी पार्टियों के लिए क्यों बड़ा खतरा बन चुके हैं?

विजय की कब हुई राजनीति में एंट्री?

गौरतलब है कि तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलापति विजय ने 2 फरवरी, 2024 को अपनी नई राजनीतिक पार्टी 'तमिझागा वेत्री कड़गम (TVK)' का औपचारिक रूप से अनावरण किया। इस घोषणा के साथ, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य 2026 के विधानसभा चुनाव लड़ना है। जिसके बाद सीएम स्टालिन और उनकी पार्टी की चितांए बढ़ गई हैं।

खुश हुए सुपरस्टार विजय के फैंस

विजय ने राजनीति को एक पेशे के बजाय जनता की सेवा का माध्यम बताया, जिससे उनके फैंस में उत्साह की लहर दौड़ गई। पिछले काफी समय से उनके राजनीति में आने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, वह तमिलनाडु के पहले ऐसे कलाकार नहीं हैं जो फिल्मी दुनिया से राजनीति में कदम रख रहे हैं; उनसे पहले

एम.जी. रामचंद्रन और जयललिता जैसे दिग्गज भी इस क्षेत्र में सफल रहे हैं।

राजनीति एंट्री करते ही छा गए एक्टर

2026 में होने वाले चुनाव के लिए 3 सितंबर, 2025 से विजय ने अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार शुरू किया है। राज्‍य भर में रैलियां कर रहे जिसमें हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ रही है। तभी से हर शनिवार को विजय जनसभाएं और रैलियां कर रहे हैं। 27 सितंबर (शनिवार) को भी इसी के तहत विजय ने सुबह नमक्कल जिले में और शाम को करूर में प्रचार किया। शाम को करूर रैली में ये दर्दनाक हादसा हुआ।

जस्टिस अरुणा जगदीशन कौन हैं? एक्टर विजय की करूर रैली में मची भगदड़ घटना की करेंगी जांच

जस्टिस अरुणा जगदीशन कौन हैं? एक्टर विजय की करूर रैली में मची भगदड़ घटना की करेंगी जांच

थलापति विजय की जाति क्‍या है?

थलापति विजय का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था और वे तमिलनाडु के ईसाई वेल्लालर समुदाय से संबंध रखते हैं। उनके पिता, एस.ए. चंद्रशेखर, एक प्रसिद्ध तमिल फिल्म निर्देशक हैं, जबकि उनकी मां, शोबा चंद्रशेखर, एक गायिका हैं।

तमिलनाडु में कितनी है ईसाई आबादी?

भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में 2011 की जनगणना के अनुसार, ईसाई आबादी लगभग 44 लाख (कुल आबादी का 6.12%) थी। इस ईसाई आबादी में से, 2.24 प्रतिशत लोग वेल्लालर समुदाय से थे।

क्या प्रशांत किशोर पर बड़ा दांव खेलने जा रही है भाजपा? क्या है अंदर की कहानी

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और राजनीतिक माहौल दिन–ब–दिन गरमाता जा रहा है। भाजपा और एनडीए जहां सत्ता बचाने की कवायद में लगे हैं, वहीं जनसुराज अभियान के जरिए प्रशांत किशोर (ढङ) धीरे–धीरे मैदान में जगह बना रहे हैं। अब चचाओं का बाजार गर्म है कि भाजपा प्रशांत किशोर को लेकर कोई बड़ा खुलासा करने वाली है। सवाल ये है कि ऐसा क्यों और कब हो सकता है? आइए समझते हैं अंदर की पूरी कहानी।

अमित शाह का दौरा और बंद कमरे की मीटिंग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बीते दस दिनों में दूसरी बार बिहार पहुंचे। सूत्र बताते हैं कि उनके इस दौरे का मकसद सिर्फ संगठन को दुरुस्त करना नहीं था, बल्कि प्रशांत किशोर के बढ़ते प्रभाव पर लगाम लगाना भी था। सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने ठऊ्अ नेताओं से सख्त लहजे में कहा कि "ढङ का वोट शेयर आखिर कैसे बढ़ रहा है?"

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी द्वारा कराए गए एक सर्वे में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए–प्रशांत किशोर को बिहार में करीब 14% वोट शेयर मिलता दिख रहा है। यह आंकड़ा भाजपा के लिए खतरे की घंटी है। माना जा रहा है कि इसी कारण शाह ने नाराजगी जताई और नेताओं को आगाह किया।

- क्या भाजपा करेगी प्रेस कॉन्फ्रेंस?

बिहार की सियासी गलियारों में

जोरदार चर्चा है कि भाजपा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकती है। इसमें प्रशांत किशोर के कामकाज, उनके बयानों या फिर उनकी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर बड़ा खुलासा हो सकता है। हालांकि पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर खूब बहस छिड़ी हुई है। ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ एक बहस हो और चर्चा मात्र ही हो।

- भाजपा क्यों कर सकती है प्रशांत किशोर पर खुलासा? संभावित 5 वजहें

◆ वोट शेयर में इजाफा – सर्वे रिपोर्ट में पीके को 14% वोट शेयर मिलता दिख रहा है। भाजपा चाहेगी कि इस ग्रोथ को शुरूआती स्तर पर ही रोक दिया जाए।

◆ युवाओं और नए वोटरों में पकड़ – प्रशांत किशोर का फोकस बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर है, जो सीधे युवा और नए वोटरों को आकर्षित करते हैं। भाजपा इसे कमजोर करना चाहती है।

◆ एनडीए वोट बैंक में सेंध का डर – बिहार में जातीय समीकरण अहम हैं। पीके का कैंपेन विभिन्न वर्गों में धीरे–धीरे पैठ बना रहा है, जिससे एनडीए को नुकसान हो सकता है।

◆ पीके का राजनीतिक बैकग्राउंड – प्रशांत किशोर ने पहले कई पार्टियों के साथ चुनावी रणनीतिकार के रूप में काम किया है। भाजपा उनके पुराने कामकाज या डील्स पर सवाल उठाकर उनकी साख को चोट पहुंचा सकती है।

◆ मीडिया और नैरेटिव पर कब्जा – प्रशांत किशोर लगातार मीडिया में बने हुए हैं। भाजपा चाहेगी कि प्रेस कॉन्फ्रेंस या खुलासों के जरिए फोकस बदल दिया जाए और नैरेटिव अपने हाथ में लिया जाए।

- क्या होगा असर?

अगर भाजपा प्रशांत किशोर पर कोई बड़ा खुलासा करती है तो निश्चित तौर पर बिहार की राजनीति और चुनावी माहौल में हलचल मचेगी। फिलहाल यह महज चचाएं हैं, लेकिन राजनीति में अफवाहें भी कभी–कभी सच साबित हो जाती हैं।

- आरके सिंह के बयान से पार्टी में हलचल

बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने भी पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने सार्वजनिक मंच से अलग पार्टी बनाने तक की बात कह दी। यही नहीं, वे आरोप लगा रहे हैं कि उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं ने उन्हें पिछला चुनाव हरवाया।

इस नाराजगी का असर सीधा–सीधा राजपूत वोट बैंक पर पड़ सकता है। बिहार में लगभग 3.5% राजपूत आबादी है और करीब 30–35 सीटों पर उनकी पकड़ मानी जाती है। ऐसे में भाजपा के लिए ये रिस्क भरा हो सकता है। इसी वजह से दिल्ली में पार्टी नेतृत्व ने तुरंत आरके सिंह से बातचीत की और उन्हें शांत करने की कोशिश की।

बिहार चुनाव 2025 अब सिर्फ एनडीए और महागठबंधन की जंग नहीं रह गया है। प्रशांत किशोर एक तीसरे विकल्प के तौर पर उभर रहे हैं, और यही भाजपा के लिए चिंता की बात है। अमित शाह का दोहरा बिहार दौरा, आरके सिंह की बगावत जैसी चचाएं और भाजपा के संभावित खुलासे–ये सब दिखाता है कि चुनावी पिच और भी दिलचस्प होने वाली है।

भारतीय टीम ने ठुकराई ट्रॉफी, मंच पर इंतजार करते रह गए मोहसिन नकवी, पाकिस्तान की भारी बेइज्जती

(जीएनएस)।

एशिया कप में भारतीय टीम को नौवीं बार जीत हासिल की लेकिन ट्रॉफी नहीं ली। मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष हैं, साथ ही वह एसीसी अध्यक्ष भी हैं। उनसे ट्रॉफी लेने से टीम इंडिया ने मना कर दिया। नकवी खड़े रहे और काफी समय तक हंगामा देखने को मिला।

फाइनल मुकाबला समाप्त होने के सवा घंटे बाद तक प्रेजेंटेशन सेरेमनी शुरू नहीं हुई क्योंकि भारत ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। नकवी एसीसी अध्यक्ष होने के नाते ट्रॉफी देना चाहते थे और उनका कहना था कि प्रोटोकॉल यही है। पाकिस्तान की टीम भी काफी समय तक वहां नहीं आई।

खबरों की मानें, तो मुकाबले के बाद जो भी दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, उन्होंने मोहसिन नकवी को बू तक किया। इसके अलावा मैच के बाद भारत और पाकिस्तान के प्लेयर्स में कोई हाथ मिलाने की परम्परा नहीं हुई। सवा घंटे के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी हुई।

व्यक्तिगत इनाम प्लेयर्स को मिले

इसमें भारत के प्लेयर्स को व्यक्तिगत प्रदर्शन के इनाम स्पॉन्सरों की तरफ से मिले। शिवम दुबे, कुलदीप यादव, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को इनाम मिले। पाकिस्तानी प्लेयर्स को रनरअप मेडल्स पहनाए गए लेकिन भारतीय टीम ट्रॉफी लेने के लिए नहीं आई। सूर्यकुमार यादव बोलने के लिए भी प्रेजेंटेशन सेरेमनी में नहीं आए। हालांकि भारतीय टीम ग्राउंड पर ही मौजूद थी।

नकवी की हरकतें खराब

नकवी की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के समय बयानबाजी देखने को मिली थी, इसके अलावा दो दिन पहले उनके इन्स्टाग्राम से फाइटर जेट गिराने के अंदाज में रोनाल्डो की फोटो पोस्ट हुई थी। वह नियमित तौर पर भारत को छेड़ने का प्रयास करते रहे हैं, टीम इंडिया का कहना था कि नकवी के अलावा किसी से भी ट्रॉफी ले लेंगे।

बिना ट्रॉफी खिंचवाए फोटो

नकवी को यह लग रहा था कि अगर किसी और से ट्रॉफी दिलाई, तो उनके देश में भारी बेइज्जती होगी, इस वजह से वह अड़े रहे कि मैं प्रोटोकॉल के तहत जाऊंगा। इस तरह भारत ने साफ कर दिया कि हमने टूनार्मेंट जीता है, ट्रॉफी नहीं लेंगे। प्रेजेंटेशन सेरेमनी समाप्त होने के बाद भारत ने बिना ट्रॉफी पोडियम पर जाकर फोटो खिंचवाए। भारत ने पाकिस्तान से मिले 147 रनों का लक्ष्य अंतिम ओवर में हासिल कर लिया, तिलक वर्मा ने धाकड़ फिफ्टी जमाई।

BCCI ने किया बड़ा ऐलान

भारतीय टीम की जीत के बाद बीसीसीआई अपने प्लेयर्स और स्टाफ के ऊपर मेहरबान हुई है। भारतीय टीम और स्टाफ के लिए बोर्ड ने 21 करोड़ की इनामी रकम की घोषणा की है। बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी है।

तिलक वर्मा का छक्के देख गौतम गंभीर का जोश हाई, जीत के बाद खुशी से झूम उठे कोच, वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए एशिया कप 2025 के फाइनल में टीम इंडिया ने यादगार जीत हासिल की। यह जीत सिर्फ तिलक वर्मा की नाबाद पारी से नहीं, बल्कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के जबरदस्त जश्न से भी हमेशा याद की जाएगी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आखिरी ओवर में भारत ने जीता मैच

जब भारत को आखिरी ओवर में 10 रनों की दरकार थी, तब पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने गेंद हारिस रऊफ को सौंपी। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने पहली दो गेंदों पर दो रन लेने के बाद रऊफ की गेंद पर एक शानदार पिक–अप शॉट खेला। जो 80 मीटर दूर जाकर सीधे छक्के के लिए बाउंड्री पार कर गया। तिलक का यह निर्णायक छक्का लगते ही कैमरे तुरंत भारतीय

ड्रेसिंग रूम में बैठे मुख्य कोच गौतम गंभीर की ओर मुड़ गए।

गौतम गंभीर का वीडियो वायरल

गंभीर खुशी और भावनाओं से इतने भर गए थे कि उन्होंने अपनी सीट के सामने रखी बेंच को जोर से पीटना शुरू कर दिया। गंभीर का यह रिएक्शन तुरंत क्रिकेट फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया। भारत ने 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहद खराब शुरूआत की थी। एक समय टीम का स्कोर 20/3 हो गया था, जब शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे बड़े बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गए थे।

तिलक वर्मा ने दिखाया गजब का साहस

लेकिन हैदराबाद में जन्मे तिलक वर्मा ने गजब का साहस दिखाया और अंत तक टिके रहे। उन्होंने 53 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन की मैच–विनिंग पारी खेली। आखिर में रिंकू सिंह ने विनिंग रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। इससे पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान (57) और फखर जमां की बदौलत 84 रनों की तेज शुरूआत की। लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की।

कौन हैं विजय के 3 सहयोगी, जिनपर 40 लोगों की मौत के बाद केस दर्ज?

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय थलापति की चुनावी रैली के दौरान शनिवार (27 सितंबर 2025) को हुई भयानक भगदड़ में 40 लोगों की मौत हो गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। भीड़ के बेकाबू होने से कई लोग बेहोश हो गए, जिसके चलते अभिनेता से नेता बने विजय को अपना भाषण बीच में रोकना पड़ा।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर पहुंचकर पीड़ितों और घायलों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु के इतिहास में किसी राजनीतिक रैली में इतनी बड़ी त्रासदी पहले कभी नहीं हुई। यह दोबारा नहीं होनी चाहिए।' स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये और घायलों को 1 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। साथ ही, एक सेवानिवृत्त हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित करने का ऐलान किया।

जीवन को खतरे में डालने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे आरोपों में केस दर्ज किया है।

विजय का दुख और मुआवजा

विजय ने रविवार (28 सितंबर 2025) को सोशल मीडिया पर दुख जताते हुए कहा, 'करूर की त्रासदी ने मुझे झकझोर दिया है। यह नुकसान अपूरणीय है।' उन्होंने मृतकों के परिवारों को 20 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। विजय ने अपनी पार्टी की ओर से हर संभव सहायता का वादा किया।

क्या हुआ उस दिन?

शनिवार (27 सितंबर) शाम को रैली में भारी भीड़ के दबाव में कई लोग, खासकर महिलाएं और बच्चे, बेहोश होने लगे। विजय ने भाषण

रोककर शांति की अपील की और एम्बुलेंस को रास्ता देने का अनुरोध किया। अनुमति पत्र में 10,000 लोगों की उम्मीद थी, लेकिन करीब 50,000 लोग जुटे थे। शाम साढ़े सात बजे से ही एम्बुलेंस के सायरन की आवाजें सुनाई देने लगी थीं।

जांच और सरकारी कार्रवाई

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया पर इस घटना को 'चिंताजनक' बताया और अधिकारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जस्टिस अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता में जांच आयोग बनाया। स्टालिन ने त्रिची के मंत्री अंबिल महेश और पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को राहत कार्यों में तेजी लाने को कहा। रविवार को स्टालिन ने करूर पहुंचकर घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस त्रासदी पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'करूर की घटना अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

बिहार को मिलेगी तीन नई अमृत भारत ट्रेनें नई सौगात

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

चार पैसेंजर गाड़ियों का भी परिचालन होगा प्रारंभ

नई दिल्ली/पटना–

बिहार को आधुनिक रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना जं. से 07 ट्रेनों की सौगात बिहार को देंगे, जिनमें 03 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

मध्यम वर्ग और आम लोगों की लोकप्रिय ट्रेन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना लेने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की 12 सेवाएं अभी देश भर में चल रही हैं जिनमें 10 ट्रेन बिहार से चलती हैं। तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत हो जाने के बाद इस श्रेणी की रेलगाड़ियां की संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी जिसमें 13 ट्रेनों का परिचालन बिहार से होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बिहार वासियों के लिए यह बड़ी सौगात है।

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना–बक्सर, झाझा–दानापुर, पटना–इसलामपुर तथा शेखपुरा–बरबीघा के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। शेखपुरा–बरबीघा–बिहार शरीफ के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन के चालू हो जाने से बरबीघा–अस्थावां–बिहार शरीफ रेलखंड पर (जिसका पिछले दिनों सीआरएस निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है) ट्रेनों के परिचालन का इस क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो जाएगा । पटना–इसलामपुर पैसेंजर एवं नवादा–पटना पैसेंजर का परिचालन नई लाइन जट डुमरी–फाजिलचक–तोपसरथुआ–दनियावां के रास्ते किया जाएगा जिससे इस क्षेत्र लोगों को भी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी ।

इस समारोह में बिहार को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री और उप मुख्यमंत्री 03 अमृत भारत एक्सप्रेस – मुजफ्फरपुर से हैदाराबाद के समीप चर्लपल्ली के मध्‍ य, दरभंगा से अजमेर के समीप मदार जं. के मध्‍ य तथा छपरा से आनंद विहार टर्मिनल के मध्‍ य अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे।

मुजफ्फरपुर से चर्लपल्ली के चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन होगी जबकि छपरा–आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन होगी ।

यह अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव देगी। ये ट्रेनें बिहार को देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर उत्तर भारत और दक्षिण भारत से तेज और सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। इनके संचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और पर्यटन, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

भारतीय रेलवे द्वारा विकसित अमृत भारत एक्सप्रेस आज देश की रेलवे प्रणाली के आधुनिकीकरण की मिसाल बन चुकी है। यह ट्रेन सिर्फ एक तेज और किफायती यात्रा का विकल्प नहीं है, बल्कि इसमें सेमी–ऑटोमेटिक कपलर, फायर डिटेक्शन सिस्टम, सील्ड गैंगवे, और टॉकबैक यूनिट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। पहली बार नॉन–एसी कोच में भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक अपनाई गई है।

इससे पहले बिहार को 10 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधा मिल रही है और अब इन 03 नई अमृत भारत ट्रेनों के शुरू होने से राज्य की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। यह विकसित बिहार से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण –

1. गाड़ी सं. 15293/15294 मुजफ्फरपुर–चर्लपल्लीी–मुजफ्फरपुर अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताहिक) – यह एक्सलप्रेस हाजीपुर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्ससर, डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, काजीपेट के रास्तेह चलायी जाएगी ।

2. गाड़ी सं. 19623/19624 मदार–दरभंगा–मदार अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताहिक)– यह एक्सरप्रेस कमतौल, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, गोमतीनगर, कानपुर, टुंडला, जयपुर के रास्त् चलायी जाएगी ।

3. गाड़ी सं. 15133/15134 छपरा–आनंद विहार–छपरा अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)– यह एक्सशप्रेस सिवान, थावे, कप्ताजनगंज, गोरखपुर, बस्तु, गोंडा, ऐशबाग (लखनऊ), कानुपर के रास्ते चलायी जाएगी ।

पैसेंजर ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण –

1. गाड़ी सं. 75271/75272 नवादा–पटना–नवादा डेमू पैसेंजर – यह पैसेंजर शेखपुरा, बरबीघा, अस्थाववां, बिहार शरीफ, नुरसराय, दनियावां, तोप सरथुआ, फाजिलचक, जटडुमारी, पुनपुन के रास्तें रविवार को छोड़कर सप्तानह में छः दिन चलायी जाएगी ।

2. गाड़ी सं. 75273/75274 इसलामपुर–पटना–इसलामपुर डेमू पैसेंजर – यह पैसेंजर पुनपुर, जटडुमरी, फाजिलचक, तोप सरथुआ, दनियावां, हिलसा के रास्तेच रविवार को छोड़कर सप्ताडह में छः दिन चलायी जाएगी ।

3. गाड़ी सं. 53201/53202 पटना–बक्स र–पटना फास्टा पैसेंजर – यह पैसेंजर दानापुर, आरा के रास्ते/ रविवार को छोड़कर सप्ता ह में छः दिन चलायी जाएगी ।

4. गाड़ी सं. 53203/53204 झाझा–दानापुर–झाझा फास्टे पैसेंजर – यह पैसेंजर जमुई, किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा के रास्तै रविवार को छोड़कर सप्ताह में छः दिन चलायी जाएगी ।

–

बड़कागांव में सीएम नीतीश–सम्राट चौधरी का संयुक्त संवाद आज, हेलिपैड से लेकर सभा स्थल तक सुरक्षा टाइट

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति से लेकर गवर्नमेंट के बड़े फैसलों तक, विकास योजनाओं से लेकर जनता से जुड़े कार्यक्रमों तक– आज बिहार में क्या कुछ नया हो रहा है, गोपालगंज जिले के हथुआ विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का संयुक्त संवाद कार्यक्रम होने जा रहा है। आज यानि 28 सितंबर को मुक्ति आदर्श उच्च विद्यालय के मैदान में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

प्रशासनिक टीम की कड़ी निगरानी

प्रशासनिक अधिकारी, पथ निर्माण, बिजली और पीएचईडी विभाग के कर्मचारी सभा स्थल पर कैंप कर रहे हैं और हर बिंदु पर निगरानी रख रहे हैं। जिले के सभी अधिकारी स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझ रहे हैं और उनके समाधान निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सीएम और वरिष्ठ नेताओं ने किया सभा स्थल का निरीक्षण

शुक्रवार शाम को डीएम पवन कुमार सिन्हा, हथुआ एसडीएम अभिषेक कुमार चंदन और एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने पूर्व मंत्री रामसेवक सिंह और जेडीयू

जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही सहित अन्य पार्टी नेताओं के साथ सभा स्थल का जायजा लिया।

सुरक्षा व्यवस्था और जनता की उम्मीदें

प्रशासनिक स्तर पर सबेया एयरपोर्ट पर हेलिपैड के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हेलिपैड से सड़क मार्ग के जरिए सभा स्थल तक पहुंचेंगे। स्थानीय लोगों में इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साह है। उन्हें उम्मीद है कि इस दौरे से क्षेत्र की लंबे समय से लंबित कई समस्याओं का समाधान होगा और वे क्षेत्र के विकास व संभावित बड़ी घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं।

दरभंगा में आज भाजपा का जीएसटी महोत्सव

दरभंगा में आज यानि 28 सितंबर को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ और वाणिज्य प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शुक्रवार को जिला अतिथि गृह में भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना की अध्यक्षता में प्रमुख कार्यकताओं की बैठक हुई।

आयोजन का उद्देश्य और रूपरेखा पर चर्चा

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और व्यापारी समाज की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर विमर्श किया गया। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों के हितों में जीएसटी व्यवस्था से जुड़ी बचत और सुविधा संबंधी जानकारी देना है।

राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के दिग्गज होंगे शामिल

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक मन्नू चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सांगवी, प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजीव गुप्ता और वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जगन्नाथ गुप्ता अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इनके अलावा, बिहार सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी भाग लेंगे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा जीएसटी से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं, लाभों और समस्याओं के समाधान पर मार्गदर्शन किया जाएगा।

कौन हैं डॉ. कमलताई गवई? जिन्हें आरएसएस ने विजयादशमी कार्यक्रम में बनाया मुख्य अतिथि

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्त्रर) इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रहा है। विजयदशमी के दिन 1925 में नागपुर से यह संगठन शुरू हुआ। आज यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन माना जाता है। शताब्दी वर्ष को खास बनाने के लिए संघ ने देशभर में लाखों कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

इसी कड़ी में महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अगले महीने विजयदशमी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में डॉ. कमलताई गवई मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उनके कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि परिवार के करीबी सूत्रों ने की है।

कौन हैं डॉ. कमलताई गवई?

डॉ. कमलताई गवई विद्वान और समाजसेवी के रूप में जानी जाती हैं। वह अमरावती जिले में शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों से लंबे समय से जुड़ी रही हैं। उनके परिवार ने शिक्षा और न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वो भारत के मुख्य न्यायाधीश (उखक) बीआर गवई की मां हैं। उनके बेटे बीआर गवई वर्तमान में भारत के मुख्य न्यायाधीश हैं और देश की

न्यायपालिका का नेतृत्व कर रहे हैं।

ये भी पढ़ें: इखढ अध्यक्ष चुनने में क्यों हो रही देरी? फ्त्रर के साथ क्या बिगड़ने लगे हैं रिश्ते! नितिन गडकरी ने क्या दिया जवाब

कमलताई गवई को स्थानीय स्तर पर महिला शिक्षा और सामाजिक उत्थान की दिशा में काम करने वाली प्रेरक शख्सियत माना जाता है। अमरावती और आसपास के इलाकों में उन्हें समाज में योगदान देने वाली एक सशक्त महिला के रूप में जाना जाता है।

अमरावती में होगा भव्य कार्यक्रम

अमरावती की फ्त्रर महानगर इकाई 5 अक्टूबर को विजयदशमी समारोह आयोजित करेगी। यह आयोजन किरण नगर स्थित श्रीमती नरसम्मा महाविद्यालय मैदान में होगा। इस कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ नेता जे नंद कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। आयोजन समिति का कहना है कि यह कार्यक्रम जिले के बड़े सामाजिक आयोजनों में से एक होगा।

परिवार ने निमंत्रण की पुष्टि की

भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की मां डॉ. कमलताई गवई को औपचारिक निमंत्रण दिया गया है। उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि वे इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी। संघ द्वारा उन्हें बुलाए जाने को एक सामाजिक सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

फ्त्रर का शताब्दी वर्ष अभियान

संघ ने शताब्दी वर्ष पर एक लाख से ज्यादा हिंदू सम्मेलन और हजारों संगोष्ठियों के आयोजन की योजना बनाई है। इसके जरिए संगठन अपनी वैचारिक यात्रा और सामाजिक कार्यों को लोगों तक पहुंचाना चाहता है।

नागपुर से होगी शुरूआत

आरएसएस की स्थापना नागपुर में हुई थी और इसलिए शताब्दी वर्ष की शुरूआत भी वहीं से होगी। 2 अक्टूबर को संघ प्रमुख मोहन भागवत विजयदशमी के अवसर पर अपना वार्षिक संबोधन देंगे। इसके साथ ही देशभर में होने वाले आयोजनों की औपचारिक शुरूआत हो जाएगी।

घर–घर संपर्क अभियान

लोगों तक अधिक व्यापक पहुंच बनाने के लिए आरएसएस ने 'घर–घर संपर्क अभियान' चलाने का भी फैसला किया है। इसके तहत कार्यकर्ता सीधे आम जनता से जुड़ेंगे और संघ की विचारधारा और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी साझा करेंगे।

विजय की करूर रैली के पीड़ित परिवारों के लिए सीएम स्टलिन ने 10 लाख के मुआवजे का किया ऐलान

(जीएनएस)।

तमिझगा वेत्री कड़गम (TVK) पार्टी के अध्यक्ष थलपति विजय की चुनावी रैली के दौरान हुए दुखद हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हो गए। इस घटना से पूरे तमिलनाडु में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तुरंत राहत उपायों की घोषणा करते हुए न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

यह दुखद घटना तब हुई जब अभिनेता से राजनेता बने विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए मृतकों के परिजनों के लिए ₹10 लाख और घायलों के लिए ₹1 लाख के मुआवजे की घोषणा की।

करूर में मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया। वहां उन्होंने भगदड़ की घटना में घायल हुए लोगों से भेंट कर उनका हालचाल लिया। डीजीपी जी. वेंकटरमण के अनुसार, इस हादसे में अब तक 38 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल

हैं और उनका इलाज अस्पताल में जारी है।

उन्होंने तिरुचिरापल्ली, सलेम और डिंडीगुल के जिला कलेक्टरों को तुरंत करूर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी करने का निर्देश दिया। आपातकालीन चिकित्सा दल सक्रिय कर दिए गए हैं और घायल लोगों के इलाज के लिए अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

भगदड़ के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के दिए गए आदेश

स्टालिन ने भगदड़ के कारणों का पता लगाने के लिए एक न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। इस आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन करेंगी, जिन्होंने पहले 2018 की थूथुकुडी पुलिस गोलीबारी की जांच का नेतृत्व किया था।

यह आयोग भीड़ प्रबंधन की समीक्षा करेगा, सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगा और चश्मदीदों के बयान दर्ज करेगा। इसका उद्देश्य जवाबदेही तय करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निवारक उपायों की सिफारिश करना है।

हालांकि बचाव और राहत कार्य जारी हैं, टीवीके और विजय की ओर से अभी तक इस त्रासदी पर कोई बयान नहीं आया है। उनकी चुप्पी ने सबका ध्यान खींचा है, जबकि पीड़ित परिवार न्याय और राजनीतिक रैलियों में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बेहतर उपायों का इंतजार कर रहे हैं।

करूर रैली में हुई भगदड़ तमिलनाडु के इतिहास में राजनीतिक सभाओं की सबसे घातक त्रासदियों में से एक है। इस घटना ने सार्वजनिक कार्यक्रमों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सरकारी तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुरुग्राम पुलिस ने सोशल मीडिया पर विज्ञापनों के जरिए नकली सेक्स बढ़ाने वाली गोलियाँ बेचने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया

(जीएनएस)।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सोशल मीडिया विज्ञापनों के माध्यम से नकली यौन वृद्धि गोलियों के वितरण का आरोप लगाने वाले एक कॉल सेंटर को ध्वस्त कर दिया गया है। इस अभियान में कॉल सेंटर के मालिक सहित ग्यारह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों में वे महिलाएं भी शामिल हैं जिन्होंने कथित तौर पर ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले उत्पाद खरीदने के लिए चिकित्सा पेशेवरों का रूप धारण किया था।

गुरुग्राम में नकली गोलियां बेचने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

साइबर पुलिस टीम ने एक टिप–ऑफ के बाद कॉल सेंटर की गतिविधियों का खुलासा किया। शुक्रवार को उद्योग विहार फेज 5 में एक इमारत के बेसमेंट में स्थित सुविधा पर छापा मारा गया, जिसके परिणामस्वरूप सात पुरुषों और चार महिलाओं को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने अभियान के दौरान 13 मोबाइल फोन, नकली यौन वृद्धि कैप्सूल के 54 डिब्बे और 35 तेल स्प्रे जब्त किए।

तरीका–ए–कार्रवाई

पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने खुलासा किया कि उन्होंने दिल्ली में एक स्रोत से नकली दवाएं 50 रुपये से 100 रुपये तक की कीमतों पर हासिल की थीं। इन्हें बाद में 2,000 रुपये से अधिक में बेचा गया। एसीपी साइबर, प्रियांशु दीवान के अनुसार, कॉल सेंटर के कर्मचारियों को घोटाले में उनकी भागीदारी के लिए 15,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच मासिक वेतन के साथ–साथ अलग से 3 प्रतिशत कमीशन मिलता था।

कानूनी कार्यवाही

सात पुरुष संदिग्धों को एक शहर की अदालत में पेश किया गया और बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, चार महिला संदिग्धों को जांच में सहयोग करने की सहमति के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। कॉल सेंटर के मालिक, जिसकी पहचान पीयूष के रूप में हुई है, ने इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफार्मों पर इन दवाओं का विज्ञापन किया था।

धोखाधड़ी का तरीका

जब संभावित ग्राहकों ने इन विज्ञापनों पर प्रतिक्रिया देते हुए फॉर्म भरे, तो कॉल सेंटर के कर्मचारियों ने नकली डॉक्टरों के रूप में संपर्क किया। फिर टीम इन भोले–भाले व्यक्तियों से ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करती थी। पुलिस इस धोखाधड़ी अभियान की हद तक जांच जारी रखे हुए है।

सबसे भव्य और लंबी रामलीला का आयोजन कहां होता है? मशहूर रामलीलाओं के बारे में भी जानें

(जीएनएस)।

शारदीय नवरात्रि के आते ही पूरे देश में धार्मिक अयोजन किए जाते हैं। माता की चौकी, पूजा हवन के अलावा खासकर रामलीलाओं का मंचन शुरू हो जाता है। इन आयोजनों में भगवान श्रीराम, माता सीता और हनुमान जैसे मुख्य किरदारों को जीवंत करने के लिए कलाकार मंच पर उतरते हैं। हमारी समृद्ध भारतीय विरासत का एक उत्कृष्ट उदाहरण रामलीला का मंचन है। प्रतिवर्ष छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक, भगवान राम की गाथा रामलीला के माध्यम से जीवंत की जाती है।

इन सभी रामलीलाओं में से एक ऐसी भी है, जो अपनी भव्यता के कारण विशिष्ट पहचान रखती है। जानिए भारत की सबसे विशाल और लंबी चलने वाली रामलीला के बारे में जानते हैं और साथी ही जानिए सबसे पुरानी रामलीला का आयोजन कहां होता है?

देश की सबसे बड़ी और भव्य रामलीला का आयोजन उत्तर प्रदेश में भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में होता है। पवित्र सरयू नदी के किनारे स्थित विशाल राम कथा पार्क इस भव्य आयोजन का गवाह बनता है, जहां हजारों–लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों भक्त पहुंचते हैं। यहां की रामलीला इतनी अद्भुत होती है कि दर्शक पूरी तरह आध्यात्मिक आनंद में

डूब जाते हैं।

इस रामलीला का मंच 120 फीट तक ऊंचा बनाया जाता है।

दर्शकों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए 3ऊ प्रोजेक्शन मैपिंग, उन्नत लाइटिंग और शानदार साउंड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

संस्कृति विभाग की सहायता से अयोध्या की रामलीला का दूरदर्शन और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सीधा प्रसारण किया जाता है।

अयोध्या की इस रामलीला को 'फिल्मी रामलीला' के नाम से भी जाना जाता है क्‍ योंकि बॉलीवुड और टेलीविजन के कई जाने–माने कलाकार राम, सीता, लक्ष्मण, रावण और अन्य प्रमुख पात्रों का अभिनय करते हैं।

हर साल इसकी भव्यता में और वृद्धि होती है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

भारत में सबसे बड़ी रामलीला का आयोजन कहां होता है

देश की सबसे बड़ी रामलीला का आयोजन उत्‍ तर प्रदेश की काशी नगरी यानी वाराणसी के रामनगर में होता है। ये भारत की सबसे बड़ी और सबसे लंबी चलने वाली पारंपरिक रामलीला है। जिसकी अवधि लगभग 31 दिन है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसकी शुरूआत 1830 के दशक में काशी नरेश (वाराणसी के राजा) द्वारा किया गया था।

मंचन पूरे रामनगर कस्बे में होता है – हर दिन अलग स्थान, जैसे जनकपुर, चित्रकूट, लंका, आदि।

कलाकार स्थानीय ग्रामीण लोग होते हैं, जो बिना माइक के अभिनय करते हैं।

यूनेस्को द्वारा "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" घोषित।

यह धार्मिकता, कला और जनसंस्कृति का अद्भुत संगम है।

आजादी के पहले की रामलीला?

उत्तर प्रदेश की पावन नगरी प्रयागराज की श्री कटरा रामलीला कमेटी हर साल उत्तर भारत की सबसे प्रसिद्ध साउंड एंड लाइट पर आधारित रामलीला का मंचन करती है, जिसमें कई जाने–माने कलाकार अभिनय करते हैं। श्री कटरा रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुजीत कुमार गुप्ता के अनुसार यह रामलीला लगभग 271 साल पुरानी है, जिसका एक समृद्ध इतिहास रहा है। ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता संग्राम के कारण इस रामलीला का मंचन कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि, वर्ष 1934 के बाद इसे एक बार फिर शुरू किया गया और तब से यह लगातार दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही है।

बिहार चुनाव के बाद होगा बीजेपी प्रेसिडेंट के नाम का ऐलान? बड़ा अपडेट आया सामने

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) में लंबे समय से संगठनात्मक बदलाव की चर्चा चल रही है। पार्टी अध्यक्ष के पद को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थीं। अब खबर है कि बीजेपी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ही करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि संगठन की रणनीति और चुनावी समीकरण को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले प्रदेशों में संगठन स्तर के चुनाव को पूरा किया जाए।

सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है कि बीजेपी फिलहाल बिहार चुनाव को लेकर पूरी तरह एक्टिव मोड में है। पार्टी हाईकमान का मानना है कि अभी पूरा जोर बिहार में लगाने की जरूरत है। इसके बाद नए अध्यक्ष का चुनाव संपन्न किया जाएगा और फिर बंगाल और उत्तर प्रदेश पर फोकस करना पार्टी और संघ दोनों की प्राथमिकता है।

इखढ ढ१ी३ील्ल३ ठी६२

इखढ ढ१ी३ील्ल३ के चुनाव में क्यों हो रही देरी?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो संघ और पार्टी नेताओं का मानना है कि इस समय अध्यक्ष बदलने से संगठनात्मक संतुलन बिगड़ सकता है। नए अध्यक्ष के लिए भी आनन–फानन में जिम्मेदारी उठाना मुश्किल होगा। ऐसे में तय किया गया है कि चुनाव निपटने के बाद ही नए अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले दावा किया जा रहा है कि संघ और पीएम मोदी की नए अध्यक्ष के नाम को लेकर लगभग सहमति बन गई है।

यह भी पढ़ें: छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी और निर्दलीय का दबदबा, इखढ ने कर दिया बड़ा दावा, जानिए क्या

इखढ ढ१ी३ील्ल३ के लिए चल रही इन नामों की चर्चा

जेपी नड्डा मौजूदा अध्यक्ष हैं, जिनका कार्यकाल लोकसभा चुनाव के बाद ही खत्म होने वाला था। हालांकि, प्रक्रिया में देरी की वजह से उनका कार्यकाल बढ़ाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कहा जा रहा है कि अमित शाह की पसंद धर्मेंद्र प्रधान हैं। उनके नाम पर सहमति नहीं बन सकी है। कई नामों की चर्चा चल रही है जिसमें दो पूर्व मुख्यमंत्रियों, एक राज्यसभा सांसद और महिला अध्यक्ष जैसे नामों की भी अटकलें चल रही हैं। ऐसी चर्चा है कि शिवराज सिंह चौहान या मनोहर लाल खट्टर दोनों संघ की पसंद हैं। प्रखर वक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशू त्रिवेदी का नाम भी रेस में बताया जा रहा है।

अमेठी: महिला लूटकांड की गुत्थी सुलझी – पुलिस जांच में ह्यबेहोशी व लूटह्न की कहानी निकली झूठी

(जीएनएस)।

अमेठी, 28 सितम्बर 2025

अमेठी के माहेमऊ गांव में आज रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब खबर फैली कि अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर महिला को बेहोश कर जेवरात और नकदी लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश फैल गया। लेकिन कुछ ही घंटों की पुलिस जांच ने इस ह्यदिल दहला देने वाली वारदातह्न का चौंकाने वाला सच सामने ला दिया। दरअसल, ग्राम माहेमऊ निवासी ऐकखलाख अहमद ने पुलिस को फोन कर सूचना दी थी कि उनकी पुत्रवधू फरजाना को बदमाशों ने बेहोश कर घर से जेवर लूट लिए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब छानबीन शुरू की तो घटनाक्रम की परतें खुलनी शुरू हुईं। पुलिस जांच में पता चला कि फरजाना ने करीब 18 माह पूर्व सलमान विवाह किया था। सलमान इस समय सऊदी अरब में काम करता है। फरजाना की अपनी सास शहनाज से अनबन चल रही थी। इसी अनबन के चलते फरजाना ने घर में रखे जेवरात को मायके भेजने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार,

फरजाना ने चोरों से डरने की ह्यफर्जी कहानीह्न गढ़ी और घर में जेवर गायब होने का नाटक किया। हकीकत में उसने सारे गहने अपनी मां समीमा (निवासी ग्राम हामी का पुरवा, मजरे ईमली) के पास भिजवा दिए थे। तलाशी लेने पर जेवर वहीं बरामद हुए। सुबह करीब 9:30 बजे फरजाना के बेहोश मिलने की कहानी ने पूरे गांव में सनसनी फैला दी थी। ससुर ऐखलाख और परिजन ने लूट की आशंका जताई। ग्रामीण भी सहम गए और पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाने लगे। लेकिन जब पुलिस ने हकीकत सामने रखी तो पूरा घटनाक्रम रहस्य और सनसनी से भर गया। जिस घटना को लोग दिनदहाड़े की खौफनाक लूट समझ रहे थे, वह निकली एक परिवारिक विवाद से जुड़ी सुनियोजित साजिश। थानाध्यक्ष भाले सुल्तान शहीद स्मारक ने बताया कि ह्यपूरे मामले की गहन जांच में लूट का कोई तथ्य सामने नहीं आया। फरजाना ने खुद जेवर मायके में रख दिए थे। सूचना असत्य पाई गई है। संबंधित पक्ष को चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इस प्रकार का कृत्य न करें।ह्नइस पूरे प्रकरण ने गांव में अलग ही तरह की सनसनी फैला दी है। सुबह से जिस वारदात को लोग ह्यदिल दहला देने वाली लूटह्न मान बैठे थे, वह झूठी कहानी साबित हुई। ग्रामीण अब इसे परिवारिक खींचतान और ह्यनाटकह्न बताते हुए हैरान हैं।

गन्ना मूल्य पांच सौ रुपए प्रति क्विंटल व किसानों बेरोजगारों का हो रहा शोषण बर्दाश्त नहीं? शिव प्रकाश सिंह

सीतापुर! किसानों गरीबों मजदूरों के साथ बेरोजगारों का हो रहा शोषण इस बात का प्रमाण है कि विकास सिर्फ कागजों में सिमट कर धीरे-धीरे धरातल पर खुद को खोजने की स्थिति में पहुंच चुका है !यह बात किसान मंच राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश प्रभारी किसान मंच शिव प्रकाश सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही उन्होंने कहा कि राजधानी से सटा जनपद सीतापुर व प्रदेश के अन्य जनपद वार्षिक फसल गन्ना बाहुल्य क्षेत्र है !हम सभी का दुर्भाग्य है कि उ० प्र० में दूसरी और केंद्र में तीसरी बार सत्ता सीन भाजपा के कार्यकाल में एक बार दस रुपए और दूसरी बार बीस रुपए प्रति क्विंटल मूल्य की बढ़ोत्तरी का भद्दा मजाक कर किसानों की खिल्ली उड़ाई गई !सभी को पता है कि कृषि सामग्री आदि में असीमित मूल्य वृद्धि के साथ फसली खाद यूरिया और डी ए पी समय पर दूरबीन से ढूंढनी पड़ती है !अभी धान और गन्ना फसल हेतु यूरिया के लिए

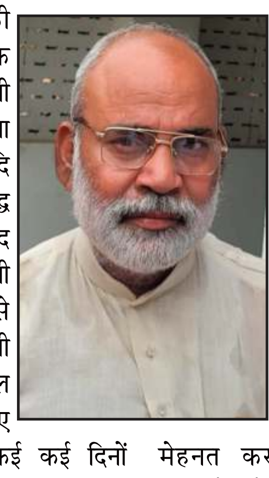

किसान भाइयों को कई कई दिनों लाइन में लगकर भी यूरिया उपलब्ध नहीं हो सकी !और जिम्मेदार कालाबाजारी करके अपनी जेब भरने में व्यस्त रहे !प्रदेश में दसियों किसानों को धूप और असीमित गर्मी के साथ लाइन में लगकर अपनी जान गंवानी पड़ी और पुलिस प्रशासन द्वारा लाठीचार्ज का शिकार होना पड़ा !यह कैसी विडम्बना है कि दूसरों के लिए दिन रात मेहनत करके जीवकोपार्जन हेतु उपजाई गई फसलों का उचित मूल्य मिलना भी दुर्लभ है !किसान मंच उत्तर प्रदेश सरकार से गन्ना मूल्य पांच सौ रुपए प्रति क्विंटल और अन्य फसलों में हरियाणा और पंजाब की तर्ज पर मूल्य बढ़ोतरी की मांग करता है! किसानों को अपने खून और पसीने की कीमत मिलना समय की सबसे बड़ी जरूरत है !साथ ही सड़कों पर संघर्ष के लिए मजबूर बेरोजगारों के लिए सिर्फ हवाई सपने दिखाकर अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध कर रही सत्ता रूढ़ भाजपा को किसानों बेरोजगारों की अनदेखी भविष्य में बहुत भारी पड़ने वाली है!

सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ स्नेही की उपस्थिति में नि:शुल्क मेगा वैक्सीनेशन कैंपों का किया गया आयोजन

समस्त गर्भवती महिलाओं और बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिए समय पर करवाए वैक्सीनेशन ....डॉ स्नेही। सशक्त नारी से ही होगा देश व प्रदेश समृद्ध

शासन के आदेशों के क्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर आधारित मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत महिलाओं को स्वस्थ बनाये रखने एवं बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव हेतु सीएचसी अधीक्षक डॉ बी के स्नेही की उपस्थिति में शनिवार को ब्लॉक स्योहारा के शहरी और ग्रामीण उपकेंद्र के अंतर्गत आनेवाले गांवों में 25 नि:शुल्क टीकाकरण सत्रों/वैक्सीनेशन कैंपों एवं मिशन शक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।इसके साथ साथ ब्लॉक में रोज 25 स्वास्थ्य कैंपों का भी आयोजन किया जा रहा है।जिसमें सभी के स्वास्थ्य की जांच कर दबाए दी जा रही है। डॉ 0स्नेही ने मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत आयोजित गर्भवती महिलाओं और बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के वैक्सीनेशन कैंपों का आयोजन पूरे ब्लॉक में करवाया । इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ स्नेही

ने सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ,किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम ,ओर परिवार नियोजन कार्यक्रम के साथ साथ एंबुलेंस सेवा ओर एनसीडी स्क्रीनिंग में 30 साल से ऊपर के समस्त लोगों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्तन कैंसर ओर सर्वाइकल कैंसर आदि की स्क्रीनिंग की जा रही है । समस्त अस्पतालों में शुगर ,बीपी और कैंसर की जांच की जा रही है।महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की समस्या महिलाओं में लगातार बढ़ रही है और इससे प्रत्येक वर्ष बहुत सी महिलाओं की मृत्यु भी हो रही है। भविष्य में सरकार द्वारा इसकी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगाई जाएगी। इसका शिक्षा , साफ सफाई और वैक्सीन ही बचाव है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसकी वैक्सीन भी अपने प्रदेश में लगेगी।अन्य वैक्सीनों की तरह यह वैक्सीन भी महिलाओं के लिए अति आवश्यक है। यह वैक्सीन बालिकाओं को 09 से 15 वर्ष की आयु में लगाये जाने पर सबसे ज्यादा प्रभावी है। इसे 15 वर्ष की आयु के बाद भी लगाया जा सकता है, किंतु उम्र के साथ इसकी प्रभाविता घटती जाती है, इसलिए इसके प्रति कम उम्र में ही जागरूक होने की आवश्यकता है। डॉ स्नेही ने कहा कि सरकार द्वारा नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान 5.0 का प्रारम्भ किया गया है।

डॉ स्नेही ने मिशन शक्ति अभियान की थीम-सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक नारी सशक्त नहीं होगी, तब तक प्रदेश समृद्ध नहीं होगा। कहा कि आधी जनसंख्या आपकी है, यदि आधी जनसंख्या कार्य नहीं करेगी, मजबूत नहीं होगी, तो देश और प्रदेश कैसे विकसित होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चेन की एक भी कड़ी कमजोर नहीं होनी चाहिए, उसी प्रकार यदि हमारी आधी जनसंख्या सशक्त नहीं होगी, तो हमारा प्रदेश कैसे समृद्ध होगा। इस अवसर पर होमियोपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ आंचल त्यागी, डॉ राकेश कुमार,हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार वीर सिंह, चीफ फार्मासिस्ट जितेंद्र रावत,फार्मासिस्ट प्रदीप रावत,हरीश कुमार, योगेश कुमार नेत्र परीक्षण अधिकारी धीरेंद्र सिंह,उमेश स्टाफ नर्स नीरज,बीपीएम शालिनी बिश्नोई, बीसीपीएम राजेश कुमार, डी ई ओ अनम राशि संगिनी आशा ओर अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केजीएमयू में प्रसवपूर्व स्क्रीनिंग पर सीएमई का आयोजन

लखनऊ, 27 सितम्बर 2025 — किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा ह्यप्रसवपूर्व स्क्रीनिंग के समग्र दृष्टिकोणह्न विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों को प्रसवपूर्व जांच की नवीनतम तकनीकों और नैदानिक दृष्टिकोण से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीकरण और दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद प्रो. रेखा सचान द्वारा स्वागत भाषण और पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रमुख सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए गए:

प्रो. रेखा सचानः प्रसवपूर्व स्क्रीनिंग झ विधियाँ और दिशानिर्देश

प्रो. अमिता पांडेयः आनुवंशिकी, गुणसूत्रीय विकृतियाँ और वंशावली विश्लेषण

प्रो. इंदुलता (एसजीपीजीआईएमएस): प्रथम तिमाही की स्क्रीनिंग और नवीनतम प्रगति

डॉ. इंद्राणी घोष (अपोलो मेडिक्स): द्वितीय तिमाही की स्क्रीनिंग झ नवीनतम प्रगति

डॉ. नीता सिंह (एसजीपीजीआईएमएस): उन्नत तकनीक झ सेल-फ्री फेटल डीएनए और विस्तारित वाहक स्क्रीनिंग

प्रसवपूर्व स्क्रीनिंग में नैतिक विचार

दोपहर के सत्र में शामिल थे:

उच्च जोखिम गर्भावस्था में प्रसवपूर्व स्क्रीनिंग पर केस स्टडी

प्रसवपूर्व नैदानिक प्रक्रियाओं पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण: एम्नियोसेंटेसिस, कोरियोनिक विली सैंपलिंग, कॉर्डोसेंटेसिस

प्रशिक्षण सत्र का संचालन विशेषज्ञों की टीम ने किया जिसमें शामिल थे: प्रो. इंदुलता, डॉ. इंद्राणी घोष, डॉ. नीता सिंह

इस सीएमई में 150 से अधिक

' पी.एन. सहगल और डी.जे. कॉलेज बना कबड्डी में चैम्पियन '

जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी (बालक) प्रतियोगिता, 2025-2026 का आयोजन दिनांक 26.09.2025 को पी.एन. सहगल इंटर कॉलेज कनवाखेड़ा में किया गया। प्रतियोगिता दो वर्गों में अंडर 14 और अंडर 19 में कराई गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधक प्रेमलता सहगल, उप प्रबंधक सुयश नारायन सहगल और विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता का संचालन जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश नंदन पाण्डेय और विद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी प्रशांत पांडे ने किया।

अंडर 14 सब जूनियर बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में पी.एन. सहगल इंटर कॉलेज ने सहगल सिटी मांटेसरी स्कूल को 25-20 से पराजित कर विजेता बना।

अंडर 19 सीनियर बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में जे.एल.एम.डी.जे. इंटर कॉलेज, खैराबाद ने पी.एन. सहगल इंटर कॉलेज की टीम को एकतरफा मुकाबले में 45-17 से हराकर विजय हासिल की।

प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में

कुमार सिंह, भूषण मिश्र, अरविंद पटेल आदि लोग रहे।

अजय रावत, धीरेन्द्र कुमार वर्मा, संतोष कन्नौजिया, जय प्रकाश और पंकज आदि लोग मौजूद रहे।

अभिलेख समिति में डॉ. निखिल कुमार रस्तोगी, दीप कुमार वर्मा, पवन कुमार, विवेक कुमार शुक्ल, अनूप

प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय श्रीवास्तव के द्वारा पुरस्कार वितरण कर बधाई दी गई और दिनांक 29.09.2025 को जनपद हरदोई में होने वाली मंडलीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ शाह आलम खान राणा, लक्ष्मी, गरिमा सोनकर, मुख्तार अली आदि लोग मौजूद रहे।

'धर्म और अंधविश्वास जनता को गुलाम बनाए रखने के औजार हैं। हमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा।'(भगत सिंह)

28 सितंबर वैज्ञानिक, तार्किक भौतिकवादी और स्पष्ट विचारधारा के प्रणेता महान क्रांतिकारी की जन्म जयंती की बधाई के साथ आइए पलटे इतिहास के इंकलाबी पन्ने।

भगत सिंह के जीवन में अपने परिवार के सदस्यों, महत्वपूर्ण क्रांतिकारियों और पुस्तकों का कितना महत्वपूर्ण स्थान है और जानते है किस प्रकार परिवार के संस्कार बच्चों का भविष्य निर्धारित करते हैं। युवाओं के प्रेरणा स्रोत का अवतरण 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले (वर्तमान में फैसलाबाद, पाकिस्तान) के बंगा गांव में एक सिख परिवार में हुआ था। उनका परिवार स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय था और उनके क्रांतिकारी विचारों को परिवार के देशभक्ति के माहौल ने बहुत प्रभावित किया। इस पारिवारिक पृष्ठभूमि ने भगत सिंह के बाल मन पर गहरा असर डाला, और इसमें उनकी मां विद्यावती कौर की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। हालांकि, भगत सिंह पर सबसे अधिक प्रभाव उनके चाचाओं और घटनाओं जैसे जलियांवाला बाग हत्याकांड का पड़ा, लेकिन मां का भावनात्मक समर्थन और पारिवारिक मूल्यों का प्रसार उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा था।अजीत सिंह, भगत सिंह के चाचा, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी और देशभक्त थे। उनका योगदान मुख्य रूप से 1907 के पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन (1907) में अजीत सिंह ने पंजाब में ब्रिटिश सरकार की नींव हिला दी थी।किसान-विरोधी नीतियों, विशेष रूप से कैनाल कॉलोनी बिल और लैंड रेवेन्यू बिल के खिलाफ किसानों को संगठित किया।यह आंदोलन किसानों की एकता और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।अजीत सिंह ने अपने भाई स्वर्ण सिंह के साथ मिलकर भारत माता सोसाइटी की स्थापना की, जो एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन था।इस संगठन का उद्देश्य युवाओं को ब्रिटिश शासन के खिलाफ संगठित करना और स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा देना था।अजीत सिंह ने अपने ओजस्वी भाषणों और लेखों के

माध्यम से जनता में ब्रिटिश विरोधी भावनाओं को प्रज्वलित किया।

उनके समाचार पत्र और पर्चे, जैसे कि पेशवा और भारत माता, क्रांतिकारी विचारों को फैलाने में महत्वपूर्ण थे।उनके भाषणों में देशभक्ति और बलिदान की भावना प्रबल थी, जिसने भगत सिंह जैसे युवाओं को प्रभावित किया।ब्रिटिश सरकार की नजरों से बचने के लिए अजीत सिंह को 1907 में भारत छोड़ना पड़ा। वे फारस, तुर्की, और अन्य देशों में गए, जहां उन्होंने गदर आंदोलन के साथ मिलकर काम किया।

विदेशों में रहते हुए निर्वासित जीवन जीते हुए भी उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए समर्थन जुटाने और क्रांतिकारी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का काम किया।लगभग 40 वर्षों तक निर्वासन में रहे लगातार देश हित में कार्य करते रहे इन सभी नीतियों की कहानी भगत सिंह अपने माताजी और पिता जी से सुनकर और पढ़कर बड़े हुए।भगत सिंह ने अपने चाचा के बलिदान और देशभक्ति से प्रेरणा ली, जो उनके क्रांतिकारी जीवन का आधार बनी।अजीत सिंह का योगदान केवल पंजाब तक सीमित नहीं था; उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्रता संग्राम को गति दी। उनकी निर्भीकता, संगठन क्षमता, और जनता को जागृत करने की शक्ति ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भगत सिंह के जन्म के समय ही उनके पिता और चाचा (अजित सिंह व स्वर्ण सिंह) जेल में बंद थे, जो गदर पार्टी के सदस्य थे। बाल मन में क्रांति की जो अमिट गाथा चित्रित हुई उसने बलिदान की सुनहरी अमिट रेखा खींच दी। माता पिता सहित की महत्वपूर्ण भूमिका में भगत सिंह के चाचाओं, अजित सिंह और स्वर्ण सिंह, ने उनके जीवन में क्रांतिकारी विचारों, सशस्त्र संघर्ष और बलिदान की भावना को जागृत किया। अजित सिंह ने उन्हें वैचारिक दिशा दी, जबकि स्वर्ण सिंह की शहादत ने भावनात्मक रूप से प्रेरित किया।

यह प्रभाव भगत सिंह के लेखों, जैसे ह्मैं नास्तिक क्यों हूंह्न और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक आर्मी के मेनिफेस्टो में देखा जा सकता है, जहां समाजवादी और स्वतंत्रता के विचार उनके चाचाओं की शिक्षाओं से प्रेरित थे।

आज, 28 सितंबर 2025, भगत सिंह की जयंती पर, उनके चाचाओं का योगदान हमें याद दिलाता है कि एक क्रांतिकारी की नींव परिवार की प्रेरणा से ही मजबूत होती है।

वहीं माता विद्यावती का प्रभाव भगत सिंह के जीवन में गहरा और अप्रत्यक्ष था। एक माँ के रूप में, उन्होंने भगत सिंह को न केवल भावनात्मक बल दिया, बल्कि उनके क्रांतिकारी विचारों को पनपने के लिए एक ऐसा माहौल प्रदान किया, जिसमें देश

संयुक्त कार्यालय पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे धामपुर पुलिस पब्लिक संबंधों पर बल देने हेतु पधारे!

पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय कुमार पांडे ने इस दौरान उन्होंने कार्यालय की गतिविधियों को नजदीक से देखा और वहाँ उपस्थित लोगों से बातचीत की।

सीओ साहब ने कार्यालय के कार्यों और सेवाभाव को सराहते हुए कहा कि झपुलिस और पब्लिक का रिश्ता विश्वास और सहयोग से ही मजबूत होता है। यहाँ आकर अच्छा लगा कि समाजसेवा और जनहित के कार्यों के लिए लोग एकजुट होकर काम कर रहे हैं।आज देश वे

समाज को डॉ मन्नान जैदी जेसे युवाओ कि आवश्यकता हैं! डॉ मन्नान जैदी को अपना आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कि कामना की!

डॉ०मन्नान जैदी ने बताया कि कार्यालय से निरंतर आयुष्मान भारत योजना से जुड़े कार्य किए जाते हैं, जिससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को सीधे लाभ मिल रहा है। साथ ही आयोध्या टाइम्स के माध्यम से क्षेत्र की जनसमस्याओं कि आवाज उठाई जाती है।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. उस्मान जैदी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

थाना करेली पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान में एक माह से लापता महिला सुमन देवी को सकुशल बरामद किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले की तहसील बीसलपुर में मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना करेली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। करीब एक माह से लापता चल रही महिला को पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। थानाध्यक्ष विपिन शुक्ला के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रघुनाथ सिंह, महिला कांस्टेबल निशु धामा और महिला कांस्टेबल हिमेंद्री की टीम ने यह उल्लेखनीय कामयाबी दर्ज की।

मामला थाना करेली क्षेत्र के ग्राम सराय उर्फ.सरेइया का है। यहां की रहने वाली सुमन देवी पुत्री बैचेलाल बीते 2 सितंबर से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की। परिजनों का आरोप था कि उनकी बेटी अचानक देर रात घर से लापता हो गई और उसका कोई सुराग नहीं लग रहा। थानाध्यक्ष विपिन शुक्ला ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए अलग-अलग टीमें लगाईं। लगातार प्रयास और सुरागों पर काम करते हुए पुलिस टीम ने रविवार 27 सितंबर को सुमन देवी को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद महिला का काउंसलिंग कर उसे उसके मायके और परिजनों के सुपुर्द किया गया। एसपी पीलीभीत ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस तरह की हर सफलता टीम के मनोबल को और ऊंचा करती है।

ग्राम सराय क्षेत्र के लोगों ने भी थाना करेली पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने मामले को जिस गंभीरता से लिया और महिला को सकुशल घर पहुंचाया, वह काबिले-तारीफ है।